एसएलसीएम बनी किसानों की मददगार

नई दिल्ली : देश में खाद्यान्न तो भरपूर पैदा होता है, लेकिन उस के रखरखाव में बरती जाने वाली लापरवाही के चलते हर साल कुल उत्पादन का 10 फीसदी बरबाद हो जाता है, जिस से 60 हजार करोड़ रुपए का नुकसान होता है. लिहाजा, अब ऐसी तकनीकों को इस्तेमाल करने की जरूरत है, जिन से खाद्यान्न की यह बरबादी रोकी जा सके.

इसी के मद्देनजर एसएलसीएम (सोहनलाल कौमेडिटी मैनेजमैंट प्रा. लि.) नामक कंपनी ने किसानों के इस नुकसान को बचाने का बीड़ा उठाया है. फिलहाल यह कंपनी 507 वेयरहाउस चला रही है, जिस में तकरीबन 20 सूबों का साढ़े 12 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न स्टोर कर के रखा जा रहा है.

एसएलसीएम ने किसानों और कृषि व्यापारियों को ऋण देने के लिए चेन्नई की एक नौन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी का अधिग्रहण किया है. इस के अलावा एसएलसीएम कंपनी अपनी 'कृषिधन' योजना के तहत उन किसानों को भी ऋण देती है, जो उन के वेयरहाउस में अपना खाद्यान्न जमा कराते हैं. ■